वी.यू. में 29 वीं राष्ट्रीय कांग्रेस का पशु परजीवी और राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन समारोह

जबलपुर। आज दिनांक 07 फरवरी 2020 को पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय, नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर में त्रि–दिवसीय 29 वीं राष्ट्रीय राष्ट्रीय कांग्रेस का पशु परजीवी और राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन आयोजन किया गया। जिसका विषय **''बदलती जलवायु के साथ पशुधन और मुर्गीयों के परजीवी रोगों को नियंत्रित करने में चुनौतीयाँ और नवाचार''** रहा ।

इस कार्यक्रम का शुभारंभ माननीय डॉ. गोविन्द प्रसाद मिश्र, संस्थापक कुलपति, ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर मुख्य आतिथ्य व माननीय डॉ. जितेन्द्र जामदार, प्रख्यात अस्थि रोग विशेषज्ञ एवं समाजसेवी, जबलपुर और माननीया श्रीमती गौरा दुबे, फीनिक्स पोल्ट्री ग्रुप, जबलपुर, डॉ. के. देवादा, अध्यक्ष, आई.ए.ए.व्ही.पी. सोसायटी एवं डा. ए.सगरन, महासचिव, आई.ए.ए.व्ही.पी. सोसायटी के विशिष्ठ आतिथ्य एवं माननीय प्रोफेसर डॉ. प्रयाग दत्त जुयाल, कुलपति, ना.दे.पशु.चिकित्सा विज्ञान वि.वि., जबलपुर की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम समिति के अध्यक्ष डॉ. आर.के. शर्मा, अधिष्ठाता, कार्यक्रम सचिव डॉ. गिरधारी दास, विभागाध्यक्ष एवं प्रमुख, पशु परजीवी विज्ञान विभाग के प्रयासों से आयोजित हुआ है।

राष्ट्रीय संगोष्ठी का प्रतिवदेन डॉ. राजेश शर्मा, अधिष्ठाता के उद्बोधन से शुरू हुआ, जिसमें उन्होनें इस आयोजन पर विस्तार पूर्वक प्रकाश डालते हुये कहा कि इस संगोष्ठी के अंतर्गत 6 तकनीकी सत्र आयोजित किये गये जिनके अंतर्गत लगभग **21** शीर्ष शोध पत्र एवं **300** शोध पत्र भारतवर्ष के ख्यातिप्राप्त शिक्षाविदों, विषय विशेषज्ञों द्वारा प्रस्तुतीकरण व वाचन किया गया। संपूर्ण संगोष्ठी क अंतर्गत विभिन्न 6 सत्रों में **दिनांक 5.2.2020 (प्रथम दिवस):** डॉ. सरमन सिंह, निर्देशक, एम्स, भोपाल द्वारा एस.सी मेमोरियल की नोट एड्रेस, मौखिक सत्र 1 में गायों/भैंसों, घोड़ों व मुर्गीयों के परजीवी रोग की महामारी, मौखिक सत्र 2 में परजीवी रोगों का परजीवी, इम्यूनोलॉजीकल तथा आणविक

तकनीकी द्वारा निदान तथा पोस्टर सत्र 1 एवं 2 में प्रदर्शनी के साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये गये। **दिनांकः 6.2.2020 (द्वितीय दिवस)** मौखिक सत्र 3 इस मौखिक में जे.पी. दुबे एवं आई.एस.पी. यंग सांइटिस्ट अवार्ड, आध्यात्मिक चेतना पर प्रस्तुतीकरण एवं अन्य एंटी पैरासिटीक दवाओं का रेस्सिटेंस, इम्यूनोप्रोफायलेक्सिस और नवीनत्तम वैकल्पिक तकनीकीयों के द्वारा पशुओं के परजीवी रोगों का टिकाऊ नियंत्रण तथा वन्यप्राणीयों के परजीवी रोगों का जूनोटिक तथा पब्लिक हेल्थ में महत्व, साथ ही पोस्टर सत्र 4 एवं 5 में पोस्टर प्रर्दशनी का आयोजन हुआ। **दिनांकः 7.2.2020 (तृतीय दिवस)** आगामी आई.ए.ए.व्ही.पी. और ओरेशन अवार्डो की घोषणा,आई.ए.ए.व्ही.पी. सामान्य बैठक तथा परिपूर्ण अधिवेशन सत्र के दौरान 29वीं राष्ट्रीय कांग्रेस तथा संगोष्ठी का भव्य कार्यक्रम हुआ। अंत में विभिन्न शिक्षाविदों, वैज्ञानिकों एवं विषय विशेषज्ञों आदि के सुझावों व अनुशंसाओं को अमल में लाने हेतु केन्द्र सरकार एवं तकनीकी संस्थानों को अतिशीघ्र प्रेषित किया जावेगा।

कार्यक्रम के **विशिष्ट अतिथि डॉ. जितेन्द्र जामदार जी** ने अपने उद्गार श्लोकों के साथ व्यक्त करते हुये कहा कि हम जो कार्य कर रहे है, उसमें कुशलता हो, इस सूक्ष्म विषय पर इस संगोष्ठी में गहन चिंतन में देश के सहभागी 300 से अधिक वैज्ञानिकों ने भाग लिया, इस अवसर पर सभी को शुभकामनायें एवं बधाई मंच से प्रेषित की गई।

कार्यक्रम की श्रृखंला में **माननीय डॉ. के. देवदा जी** ने 29 वीं कांगेस व संगोष्ठी में सहभागी वेज्ञानिकों व महाविद्यालय के आयोजकों को हृदय की गहराईयों से बधाईयां ज्ञापित की।

इस अवसर पर **डॉ. ए. संगरन, महासचिव**, द्वारा **आई.ए.ए.व्ही.पी. सोसायटी के अंलकरणों व पुरूस्कारों को पदकों व प्रशस्ति पत्र को मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथियों द्वारा प्रदान किये गये।**

इस गरिमामय कार्यक्रम के **मुख्य अतिथि माननीय डॉ. गोविन्द प्रसाद मिश्र जी** ने प्रकाश डालते हुये कहा कि इस महत्वपूर्ण संगोष्ठी के तहत एंटीपैरासिटिक दवा प्रतिरोध, परजीवी वैक्सीन विकास, ग्लोबल वार्मिंग, उभरते और मौजूदा परजीवी जूनोज आदि से संबंधित चुनौतीपूर्ण मुद्दों को संबोधित करेगी। यह संगोष्ठी भारत और मध्य प्रदेश में किसान स्तर परजीवी उत्पीड़न एवं अर्थिक क्षति को कम करने के लिए भावी जनकल्याण की दिशा में विकसित करने में मदद करेगी। साथ ही आपने विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति जी को 29वीं कांग्रेस संगोष्ठी के आयोजन हेतु बहुत–बहुत साधुवाद एवं बधाईयां ज्ञापित की गई।

माननीय डॉ. प्रयाग दत्त जुयाल, कुलपति जी अपने अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुये बताया कि म.प्र. शासन ने इस विश्वविद्यालय के हित में 02 डेयरी साइंस एवं खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालयों को घोषणा व स्वीकृति तथा निकट भविष्य में मण्डला जिले में एक विटनरी पॉलीटेक्निक पत्रोपाधि पाठ्यक्रम महाविद्यालय की स्थापना की स्वीकृति तथा जो सुझाव विश्वविद्यालय के हित में दिए उन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए, साधुवाद दिया। राष्ट्रीय कांग्रेस में देश–विदेश के प्रख्यात वैज्ञानिकों व पशुचिकित्सकों प्रतिभागियों की सहभागिता इस कांग्रेस की 6 तकनीकी सत्रों तथा शोध पत्रों के वाचन से मौखिक एवं पोस्टर प्रस्तुतीकरण के माध्यम से भावी रूप रेखा में दशा–दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाऐगी। जिससे भविष्य में पशुचिकित्सक अपनी सेवाओं से समाज प्रदेश व देश की प्रगति में उत्तरोत्तर वृद्धि करने में सहायक सिद्ध होगें। देश के सभी प्रतिभागी वैज्ञानिकों जिन्होनें शीर्ष शोध पत्र, शोध पत्र वाचन व प्रस्तुतीकरण किया, एवं विभिन्न अंलकरण एवं पुरूस्कारों के विजेता इस कांग्रेस संगोष्ठी के प्रतिभागियों को बधाई ज्ञापित की गई।

कार्यक्रम की श्रंखला के अगले चरण में 29 वीं राष्ट्रीय कांग्रेस का पशु परजीवी और राष्ट्रीय संगोष्ठी के आयोजन के अवसर पर मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों का शाल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्हों से सम्मानित किया गया।

इस कार्यक्रम का संचालन डॉ. जॉयशी जोगी द्वारा किया गया। एवं आभार प्रर्दशन डॉ. गिरिधारी दास, आयोजन सचिव, द्वारा किया गया।

इस कार्यक्रम के अवसर पर देश–विदेश के 300 से अधिक वैज्ञानिकों, विश्वविद्यालय व महाविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारियों, अधिष्ठातागणों, संचालकों, प्राध्यापकों, छात्र–छात्राओं, कर्मचारियों एवं संस्कारधानी के प्रेस व इलेक्ट्रानिक मीडिया के प्रतिनिधियों की गरिमामय उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

इस कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान से हुआ।

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि.,
आधारताल जबलपुर (म.प्र.)